अखियाँ दी बारी विचों

अखियाँ दी बारी विचों दिल विच आ, फेर जा के विखा
दिल नु लेआ ए तेरा मंदर बना, फेर जा के विखा
अखियाँ दी बारी विचों दिल विच आ.....

मेरे दिल विच तेरे लई बड़ी थांह ए,
तेरे लई बनेया दिल दा मकान ए,
हर पासे रानिये नी जलवा तेरा फेर जा के विखा
अखियाँ दी बारी विचों दिल विच आ.....

नैंना विच पहलां ही वसाई तेरी मुर्ति,
असी झण्डेवालिये सजाई तेरी मुर्ति,
रानिये नी दित्ती तेरी जोत जगा फेर जा के विखा
अखियाँ दी बारी विचों दिल विच आ.....

कहन्दे तू ए अम्मिये नी मूर्ति प्यार दी,
माता सारे जग दी तू रानी सारे संसार दी,
चंचल भी दातिए नी बचड़ा तेरा फेर जा के विखा

अखियाँ दी बारी विचों दिल विच आ फेर जा के विखा
दिल नु लेआ ए तेरा मंदर बना फेर जा के विखा.....

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23078/title/akhiyan-di-baari-vicho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |